सत्र 2025–26

Two Year

Senior Diploma in Performing Art-Tabla (S.D.P.A.)

Regular

S.No.	Paper Description	Maximum	Minimum
01.	Theory Paper- I	100	33
02.	Practical – Demonstration & Viva	100	33
	Grand Total	200	66

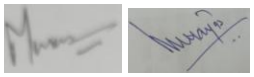

सत्र 2025–26

सीनियर डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट

तबला

प्रथमप्रश्नपत्र

समय : 3 घंटे

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतमउत्तीर्णांक
100	33%

इकाईः–1

1. भारतीय वाद्यों के वर्गीकरणकाविस्तृतअध्ययन।
2. अवनद्ध वाद्यों की उत्पति व विकासका ऐतिहासिक अध्ययन।

इकाईः–2

1. पं. पलुस्करतालपद्धतिका अध्ययन व पाठ्यक्रम के तालोंकोपं. पलुस्करताललिपिमेंलिपिबद्ध करनेकाअभ्यास।
2. मार्गी एवंदेशीतालपद्धातिकाविस्तृत अध्ययन।

इकाईः–3

1. तबले के घरानों की जानकारीतथा घरानों की वादन शैली की विशेषताऐं।
2. ताल के दसप्राणकाविस्तृत अध्ययन।

इकाईः–4

1. गायन, वादन, नृत्य के साथतबलासंगति के सिद्वान्त।
2. कायदे एवंरेले के रचनासिद्वान्त व प्रस्तारनियम।

इकाईः–5

1. निम्नलिखितघन एवंअवनद्ध वाद्योंकासचित्र वर्णन।
    1. घंटा, कांस्यताल, चिपली,,जयघंटा, मंजीरा, झांझ।
    2. पखावज, खोल, ढोलक, खंजरी, डफ, नाल।

सत्र 2026–27

सीनियर डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट

तबला

द्वितीय प्रश्नपत्र

समयः– 3 घंटे

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतमउत्तीर्णांक
100	33%

इकाईः–1

1. पाश्चात्य तालिपिकासामान्य ज्ञान।
2. कर्नाटकतालिपिपद्धतिका अध्ययन।

इकाईः–2

1. त्रिताल, एकताल, झपताल, रूपक, आड़ाचौताल, चौताल, सूलताल, झूमरा, तिलवाड़ाको पौनगुन (3/4), सवागुन (5/4), डेढ़ गुन (3/2) तथापौनेदोगुन (7/4)लयकारी मेंलिखनेकाअभ्यास।
2. किसीताल के ठेकेकोअन्य तालोंमें सम से सम तकसमायोजितकरलिखनेका अभ्यास।

इकाईः–3

1. दियेगयेबोलों के आधारपरकायदा, रेला, परन, टुकड़ा,तिहाई की रचनाकरतालिपि मेंलिखनेकाअभ्यास।
2. पाठ्यक्रम के तालोंमेंसिखाईगयीबंदिशोंकोतालिपिमेंलिखना।

इकाईः–4

1. समानमात्रिक तालोंकातुलनात्मक अध्ययन।

   तीव्रा–रूपक, एकताल–चौताल, झपताल–सूलताल, आड़ाचौताल–धमार।

2. उत्तरभारतीय तालपद्धातिका अध्ययन तथाप्राचीन एवंवर्तमानतालपद्धतियोंका तुलनात्मक अध्ययन।

इकाईः–5

1. निम्नलिखिततबलावादकोंका जीवन परिचय व वादन की विशेषताएँ :–

   पं. कंठेमहाराज, पं. सामताप्रसाद, उस्तादमसीत खॉ, उस्तादकरामतउल्ला खॉ, उस्तादमुनीर खॉ, पं. किशनमहाराज, उस्तादहबीबुद्दीन खॉ, उस्तादजाकिरहुसैन।
2. निम्नलिखित शास्त्रकारोंतथा उनके ग्रंथोंकासामान्य परिचय।
   स्वाति, भरत, मतंग, शारंगदेव, व्यंकटमखी, महाराणाकुम्भा, सवाईप्रतापसिंह।

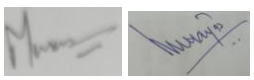

सत्र 2026–27

डिप्लोमाइनपरफॉर्मिंगआर्टअंतिमवर्ष

तबला

प्रायोगिक

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतमउत्तीर्णांक
100	33%

1. पिछलेपाठ्यक्रममेंसीखेगयेतालोंत्रिताल, झपताल, रूपक के अतिरिक्त एकतालमेंपेशकार, कायदे, रेला, टुकडे, चक्रदार, फरमाईशी, चक्रदार व परनकालहरेसाथ स्वतंत्र वादन।
2. ठेके के माध्यम से लयकारीकाप्रदर्शन। (कुआड़, आड़)
3. विभिन्न घरानों की बंदिशोंकोपढ़ने व बजानेकाअभ्यास।
4. त्रिताल, एकताल, तिलवाड़ा, झूमरा, आड़ाचौताल, दीपचंदी, चौताल व धमारतालों के ठेकेसंगत की दृष्टि से उपयुक्तलयोंमेंबजानेकाअभ्यास।
5. सुगमसंगीतमेंप्रयुक्ततालों के ठेकेतथालग्गी, लड़ी, तिहाईबजानेकाअभ्यास।

मंचप्रदर्शन

विषयः–तबला

अंक योजना	
पूर्णांक	न्यूनतमउत्तीर्णांक
100	33%

1. आमंत्रित श्रेताओं के समक्ष तबला स्वतंत्र वादनकाप्रदर्शन।
   (अ) त्रिताल, झपताल, रूपक, एकताल, में से किन्हीदोतालोंमेंन्यूनतम 15मिनिटएकलवादन।
   (ब) गायन/वादन के साथतबलासंगतिकाप्रदर्शन।

ःसंदर्भसूचीः

1. तबलाप्रकाश –श्रीभगवतशरण शर्मा
2. तबलाकौमुदीभाग 1 व 2 –पं. रामशंकरपागलदास
3. तालपरिचय भाग 1 व 2 –श्रीगिरीशचन्द्रश्रीवास्तव
4. ताल वाद्य शास्त्र –डॉ. मनोहरभालचन्द्रमराठे